>>> मिनख जमारो बन्दा एलो मत खोवै <<<

मिनख जमारो बन्दा एलो मत खोवै, सुखरत करले जमारा ने |
पापी में मुख से राम कोनी निसरै, केशर घुल रही गारा में ||
भैंस पदमणी ने गैणों तो पहरायो, काई जाणे नौसर हारा ने |
पहर कोणी जाणे बा तो चाल कोनी जाणे, उमर गमादी गोबर गारा में || १ ||

सोने के थाल में सूरी ने परोसी, काई जाणे जीमण हारा ने |
जीम कोणी जाणे बा तो जूंठ कोणी जाणे, हूरड हूरड करती जमारा ने || २ |

कांच के महल में कुत्ती ने सुवाई, काई जाणे सोवण हारा ने |
सोय कोनी जाणे बा तो ओढ़ कोनी जाणे. घुस घुस मरगी गलियारा में || ३ ||

माणक मोती मूरखा ने दीन्या, दलबा तो बैठ गया सारा ने |
हीरा की पारख जौहरी ही जाणे, काई बेरो मूरख गंवारा ने || ४ ||

अम्रुतनाथजी अमर भया जोगी, जार गया कांचे पारा ने |
भूरा भजन हरिराम का कर ले , हर मिलसी दशवा द्वारा में ||५||

जय श्री नाथजी की ...